प्रश्न और उत्तर

प्रश्न 1. क्या Covid-19 महामारी के दौरान मास्क पहनने से यह K9 (श्वान) के व्यवहार को किसी भी रुप में प्रभावित करेगा क्योंकि उनके लिए मानवीय भावनाओं और चेहरे के भावों को पढ़ना मुश्किल हो सकता है? क्या यह प्रशिक्षण के दौरान उनके सीखने की क्षमता को प्रभावित करेगा?

(एचसी / जीडी अस्टोम दास, श्वान ब्रीडिंग एंड ट्रेनिंग स्कूल, सीआरपीएफ द्वारा)

Editor - श्वान आंखों से देखकर काम करने वाले प्राणी होते हैं और निश्चित रूप से अपने किसी मानव जोड़ीदार के दिशा निर्देशों के अनुसार कार्य करने में अपनी दृष्टि पर भरोसा करते हैं और इसलिए चेहरे को ढंकने के कारण उनके सामने एक अनूठी चुनौती होगी। श्वान हमारे चेहरे के भावों को देखते हैं और हैंडलर के चेहरे को देखकर उसके मूड को समझते हैं। इस तरह से, श्वान के लिए अपने मानव साथी के बारे में समझ पाना निश्चित रूप से एक चुनौती है। श्वान को मास्क पहने हैंडलर या आसपास के मास्क पहने हुए कर्मियों से अवगत करवाने के बावजूद इस कार्य के नियंत्रित रूप में किया जाना चाहिए ताकि हम श्वान को उस स्थिति को समझने और स्वीकार करने के लिए पर्याप्त समय दें। इसके पीछे यह सोच है कि श्वान इसे आराम से समझ सके अपने मास्क पहने हुए संरक्षक या उसके आसपास स्थित अन्य लोगों के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया देता है और धीरे-धीरे प्रशिक्षण में आगे बढ़ता है। इस तरह से हमारा अपने श्वान के साथ कोई भी संवाद टूटने से बच सकते हैं।

कुछ श्वानों में असहज होने के कुछ लक्षण देखे जा सकते हैं जिसमें हल्के से लेकर भारी घबराहट की प्रतिक्रिया देखी जा सकती है, जिसमें उनका गुर्राना, दूर रहना, पीछे की ओर हटना आदि शामिल हो सकते हैं, हालांकि श्वान की प्रतिक्रिया के आधार पर, हमें उन्हें इतना समय देना चाहिए कि वे मास्क पहने हुए आदमी को अपना दोस्त समझ सकें। आज मानव जीवन की इस नई सामान्य घटना को श्वान को समझाने के लिए, हमें श्वान को मास्क दिखाना चाहिए और उसे सूँघने देना चाहिए। शुरुआत में अच्छी चीजें होने दें जब आपने मास्क पहनना शुरू किया हो तो अपने श्वान को इसके अनुकूल होने के लिए पर्याप्त समय दें। शुरुआत में, कृपया मास्क पहनकर बहुत तेजी से आगे न बढ़ें। धीमा और क्रमिक दृष्टिकोण अपनाएं, आराम से बोलना, आंखों से आंखों में झांकने से बचें इससे इस प्रक्रिया में मदद मिलेगी और श्वान को कम खतरा होगा। आँख झपकाने, कुछ समय इधर-उधर देखने सेश्वान के मन में यह विश्वास होगा कि आपके मास्क पहन कर सामने आने से उसे कोई खतरा नहीं है। हमें इस समस्या से जूझने के लिए अपने श्वान को अतिरिक्त समय और अंतराल देना चाहिए।

इसके अलावा, काम करने वाले श्वानों को उनकी अनूठी आवश्यकता और विशेष प्रशिक्षण के देखते हुए अपनी दृष्टि और गंध दोनों को ही उपयोग करने के लिए अधिक अनुकूलित किया जाता है। पुलिस सेवा K9s (PSKs) के मामले में किसी भी चीज की पहचान करने के लिए गंध (सूंघना) प्राथमिक उपकरण होने के कारण, यह PSK के लिए संरक्षक (हैंडलर) और टीम के अन्य साथियों को पहचानना बहुत चुनौतीपूर्ण काम नहीं है, क्योंकिवे अपने प्रशिक्षण के दिनों से ही अपनी नासिका पर अधिक निर्भर होते हैं। संवेदनशील कार्यों के लिए प्रशिक्षण के दौरान आवाज बदलकर बोलना(वॉयस मॉड्यूलेशन) और हाथ के इशारे (Hand Gestures) जैसे अन्य प्राथमिक क्यूइंग तरीके, काम करने वाले श्वान के साथ संवाद स्थापित करने के आसान तरीके हैं। हमें नकाबपोश (मास्क पहने हुए) व्यक्ति के प्रति पीएसके को सावधानीपूर्वक अवगत कराना होगा और उनसे संवाद के समय उनके द्वारा चेहरे के भावों को न पढ़ पाने की स्थिति में उसकी जगह पर उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना चाहिए। हालांकि इसमें

कुछ समय लग सकता है, लेकिन अधिकांश पीएसके जल्दी ही इस नई कार्यप्रणाली से परिचित होंगे।

प्रश्न 2. किसी श्वान (K9) में उग्र-आक्रामकता और निम्न-आक्रामकता के बीच सही संतुलन कैसे बनाया जाए?

(इंस्पेक्टर / जीडी बसप्पा आसुंदी, श्वान ब्रीडिंग एंड ट्रेनिंग स्कूल, सीआरपीएफ)

Editor - आक्रामकता श्वान की एक बुनियादी वृत्ति है जिसे पैट्रोल K9 के प्रशिक्षण में बड़े पैमाने पर प्रयोग मे लाया जाता है। ऐसे बहुत से तरीके हैं जो किसी श्वान की आक्रामकता नियंत्रण के दौरान उसे प्राप्त उत्तेजनाओं का जवाब देने के तरीकों को प्रभावित कर सकते हैं, और किसी ट्रेनर के लिए श्वान के साथ अभ्यास किए बिना इसके लिए सटीक समाधान देना कठिन होता है। श्वान के साथ काम करते समय प्रशिक्षक प्रशिक्षण परिदृश्यों में चल रही हर गतिविधि को देख पाता है। आपने विभिन्न श्वानों में आक्रामकता और उदासीनता के साथ असंतुलन के स्तर के बारे में एक दिलचस्प प्रश्न पूछा ।

अत्यंत उच्च स्तर की ड्राइव प्राप्त करना आगे की एक चुनौती है जिससे विभिन्न स्तरों पर उत्तेजना से तीव्र प्रतिरोध प्राप्त होता है। तीव्र उत्तेजना आमतौर पर, श्वान को नियंत्रित करने के लिए हैंडलर के प्रयासों का विरोध या अनदेखी करने के लिए प्रेरित कर सकती है, लेकिन अंत में अपने प्रशिक्षण में उच्च उत्तेजना के उस स्तर तक पहुंचना होगा और नियंत्रण का एक स्वीकार्य स्तर प्राप्त करना होगा। सभी अक्सर नियंत्रण बनाए रखने के लिए हम सख्त मानकों पर बल देते हैं और श्वान को प्रतिरोध करने के लिए मजबूर कर देते हैं। यदि आप पुलिस में सेवारत श्वान पर बहुत कम उत्तेजना स्तर पर नियंत्रण कर लेते हैं और लगातार एक नियमित दिनचर्या का उपयोग करते हैं, और एक ही प्रक्रिया का उपयोग करते हैं साथ ही उसे किसी ऐसे स्थान और वातावरण में प्रशिक्षित या परीक्षण करते हैं जिससे श्वान परिचित हो व जहां वह आत्मविश्वास से परिपूर्ण हो, तो आप श्वान की पूरी क्षमता विकसित नहीं कर रहे हैं, न ही आप उसे विविध और जटिल परिदृश्यों में नियंत्रित करने की क्षमता बढ़ा रहे हैं ।

तो, अब प्रमुख सवाल पर वापस जाते हैं, "सही संतुलन कैसे बनाया जाए ..."। मुझे लगता है कि अगर हमें शुरुआत करनी है - या इस मामले में, कुछ मूलभूत बातों पर वापस जाएं और श्वान के साथ संवाद की एक बहुत स्पष्ट विधि विकसित करें, तो हम देखेंगे कि एक उग्र आक्रामकता वाला श्वान शीघ्र ही आपके निर्देशों का पालन करने से प्रतिरोध की स्थिति में चला जाता है। मैं प्रशिक्षित करने के लिए ई-कॉलर का उपयोग करता हूं, और ई-कॉलर का उपयोग करने की सलाह देता हूं विशेष रूप से अत्यधिक उत्तेजित श्वानों पर ई-कॉलर प्रौद्योगिकी में प्रगति और अत्यधिक सफल प्रशिक्षण तकनीकों के विकास के परिणामस्वरूप पुलिस श्वान आज पूरी तरह से सड़कों पर काम करने लगे हैं जो विशेष रूप से ई-कॉलर के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। मैं ई-कॉलर और ई-कॉलर प्रशिक्षण दोनों में कुछ शोध करने का सुझाव देता हूं जो वर्तमान में हमारे देश में आसानी से उपलब्ध नहीं है। उच्च-गुणवत्ता वाले पुलिस श्वान को तैयार करने के लिए ई-कालर के बारे में अच्छी समझ बेहद मददगार साबित होती है। आप न केवल ई-कॉलर का सही तरीके से उपयोग करना सीखेंगे, बल्कि अनेक ऐसे ट्रेनर आपको श्वानों (K9) के व्यवहार के बारे में शिक्षित करेंगे, जिन्होंने स्वयं श्वानों के दुर्व्यवहार या आज्ञा पालन न करने की स्थितियों को देखा है और आप ई-कॉलर का उपयोग करके उन परिस्थितियों पर कैसे विजय पाते हैं।

इसके विपरीत, निम्न-आक्रामकता की प्रवृत्ति को ऊपर उठाना मुश्किल होता है। यद्यपि यह अधिकांशतः आनुवांशिकी होता है, किंतु किसी माहौल से परिचित होना और शिशु श्वान के दौरान प्राप्त अनुभव इसमें काफी योगदान देता है। इन्हें चुनिंदा रुप से अन्य गुणों के साथ ही कठोरता और प्रतिबद्धता के लिए प्रजनित किया जाता है। हमें सही उम्मीदवार का चयन करना चाहिए जो आक्रामकता सहित विभिन्न प्रवृत्तियों के बेहतरीन प्रदर्शन करते हों। निम्न-आक्रामकता स्तर को हैंडल करना मुश्किल है क्योंकि आप इसे केवल कुछ स्तरों तक ही विकसित करने में सहायता कर सकते हैं, उससे आगे नहीं।

चूँकि आक्रामकता अकेले नहीं आती है, यह दृढ़ता और प्रतिबद्धता के साथ आती है, इसलिए जब अनुचित या गलत समय पर सुधार किए जाते हैं तो यह अक्सर श्वान / हैंडलर के बीच द्वन्द के समान हो जाता है । इस तरह के श्वान को छुपे रूप से कठोरता से लड़ना

सिखाया जाता है क्योंकि अब श्वान हैंडलर को भी इस संघर्ष का हिस्सा समझ सकता है। पहली बात यह है कि आप को यह निर्धारित करना चाहिए कि आपके श्वान को कौन सी चीज प्रभावी रूप से प्रेरित करता है - अनिवार्य बाध्यकारी (अपने श्वान को बल या दबाव के द्वारा या बल या दबाव को हटा कर व्यवहार कराना सिखाना) या कारगर प्रेरणा (इनाम देकर या इनाम रोकने की विधि से श्वान को कोई बेहतरीन कार्रवाई निर्धारित करने की अनुमति प्रदान करती है) दूसरे शब्दों में, "इसमें मेरे लिए क्या है?" जबकि मुझे यकीन है कि आप अपनी भेड़-बकरियों के झुंड की रक्षा करने वाले श्वान को जिस तरह से प्यार करते हैं, भले ही आप पूरी तरह से प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं करेंगे, और इसलिए आप किसी ऐसे मजबुरन अनुपालन और बिना वेतन वाले सिस्टम में कार्य करने के लिए कम प्रेरित होंगे। शायद आप इस कैरियर में बहुत कम समय तक ही रहेंगे।

हालाँकि, कई लोग अड़ियल श्वानों के लिए एक अनिवार्य कार्यविधि की सिफारिश करते है, किंतु मैंने पाया है कि वे आम तौर पर प्रशिक्षण की कारगर विधियों में शीघ्र और विश्वसनीय तरीके से प्रत्युत्तर देते हैं। इसी से, वे यह समझ लेते हैं कि निर्देश मिलने पर उन्हें अपना जबड़ा ढीला करना उनके लिए फायदेमंद है। इस तरह के प्रशिक्षण से किसी कार्य को करवाने के लिए लुभाने हेतु एक टग जैसा दूसरा ईनाम देने की एक प्रणाली विकसित होती है। हालांकि, यह टग, मुख्य इनाम नहीं होना चाहिए। श्वान और हैंडलर के बीच माध्यम के रूप में टग के साथ बातचीत करना ही अंतिम उद्देश्य है। जिसे निम्नलिखित पैटर्न से हासिल किया जाता है:

- व्यवहारिक संकेत - उचित व्यवहार = इनाम;
- व्यवहारिक संकेत - अनुचित व्यवहार = रोकना, फिर से निर्देशन, इनाम।

वह सिर्फ एक उद्देश्य के लिए एक साधन है। इसका अंतिम उद्देश्य आपके श्वान का जीवन भर के लिए एक दोस्त या सर्वोच्च तानाशाह बनना नहीं है, बल्कि एक शांत, विश्वासपात्र नेतृत्व करना है जिस पर श्वान भरोसा करता है और उसका सम्मान करता है। जब श्वान को अभी भी मौजूद खतरे पर से अपने जबड़ों को ढीला करने का विश्वास आ जाता है तो वह उसकी तरफ अपनी पीठ फेर लेता है, और आपके पास आ जाता है, तब आपको निश्चित रूप से श्वानों के कार्य करने की अविश्वसनीय क्षमता और लाभ का एहसास होगा।

इसलिए अपने K9 उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग प्रारंभिक चरण में करना अनिवार्य है, जब वे कम से कम इतने बड़े हो गए हों कि संतुलित पेट्रोल K9 में प्रशिक्षण के लिए आवश्यक आक्रामकता के न्यूनतम स्तर का पता लगाया जा सके।

प्रश्न 3. भीड़ नियंत्रण और व्यक्तिगत सुरक्षा में तैनात K9 के मुंह पर जाली (muzzle) का उपयोग करने से, क्या लंबे समय में यह हमला करने में K9 की रुचि को प्रभावित करेगा?

(इंस्पेक्टर/जीडी बसप्पा आसुंदी, श्वान ब्रीडिंग एंड ट्रेनिंग स्कूल, सीआरपीएफ)

Editor - श्वान को वास्तविक दुनिया के लिए तैयार करने के लिए पेट्रोल K9 प्रशिक्षण में मुख पर जाली (muzzle) का उपयोग करना एक महत्वपूर्ण कदम है। यह श्वान को अपने लक्ष्य के साथ वास्तविक लड़ाई में जूझने का अनूठा अवसर देता है और करीब से लक्ष्य को महसूस करता है। यह निस्संदेह असली मुठभेड़ के लिए जाने के लिए गश्ती K9 के आत्मविश्वास को बढ़ाता है और अगर श्वान को पर्याप्त प्रदर्शन और उचित प्रशिक्षण दिया जाता है, तो श्वान के असफल होने की संभावना कम होती है।

यह कहा जाता है कि, मुख पर जाली लगाने का काम बहुत समझदारी से किया जाए। मुख पर जाली लगाने का काम केवल तभी किया जाना चाहिए जब K9 काटने के काम को अच्छी तरह से करना शुरू कर देता है और वह भी K9 अपने (डैकॉय) के शरीर के विभिन्न हिस्सों यानी हाथ के निचले हिस्से, हाथ के ऊपरी या बाहर या अंदर या यहां तक कि दोनों पैरों को सामने या पीछे से काटना शुरू कर देता हो। श्वान जब एक बार सूट हमले में काटने के काम का बेहतरीन प्रदर्शन करना शुरू कर देता है, तो अगला कदम उसे बुरे आदमी के साथ वास्तविक लड़ाई के लिए तैयार करना है। चूँकि असली एनकाउंटर में बुरे व्यक्ति या आतंकवादी सामान्य कपड़ों में शामिल होते हैं, इसलिए हम चाहते हैं कि हमारा पैट्रोल K9 बिना किसी हिचकिचाहट के ऐसे लक्ष्य को मार सके। यही कारण है कि के९ को थूथन जाली के

साथ ऐसी लड़ाइयों के लिए ले जाया जाता है। थूथन जाली के साथ K9 साथी को पूरी तरह से उलझाने में, नमूना लक्ष्य (डैकॉय) की भूमिका महत्वपूर्ण है, K9 को पूरे शरीर पर हमला करने की इजाजत दी जाए, केवल हाथों और पैरों पर जरूरी नहीं (जैसा कि काटने वाले सूट में होता है)। हम केवल थूथन जाली के साथ हमले में श्वान की क्षमता का पूरी तरह से पता लगा सकते हैं।

मुख जाली किस प्रकार की है यह भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बिल्ट-इन बाइट बार के साथ आने वाले कुछ मुख जाली लड़ाई में श्वान को अधिक संतुष्टि देता है। इसके अलावा, जाली पर्याप्त रूप में चौड़ा होना चाहिए, श्वान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह गद्दीदार होना चाहिए, साथ ही श्वान के लिए किसी भी थकावट से बचने के लिए आराम से उच्च श्वास दर की सुविधा प्रदान करने वाली होनी चाहिए।

जहाँ तक मुख जाली से K9 के प्रदर्शन के प्रभावित होने की बात है, गश्ती K9 के प्रशिक्षण को हमेशा दिलचस्प बनाना चाहिए। प्रशिक्षण में विभिन्नता लाने के लिए हमेशा प्रयास किया जाना चाहिए। इसे परिदृश्य में परिवर्तन, परिचालन सेटिंग, पर्यावरण, आसपास के कर्मियों की उपस्थिति आदि को बदलकर किया जा सकता है। हर बार, कठिनाई स्तर को बदलना चाहिए क्योंकि K9s नई चुनौतियों को स्वीकार करना पसंद करते हैं और यह उन्हें प्रशिक्षण में जोड़े रखता है। भीड़ नियंत्रण एक पूरी तरह से अलग परिचालन परिदृश्य है क्योंकि K9 लोगों के एक समूह को चुनौती देने की हिम्मत करता है किसी विशेष लक्ष्य को नहीं। इसलिए, हमला करते समय श्वान के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए अच्छी तरह से अभ्यास किया जाना चाहिए। इसकी तुलना में, व्यक्तिगत सुरक्षा आसान है क्योंकि इस तरह के प्रशिक्षण के परिदृश्यों को तैयार करने के लिए कम चीजों की आवश्यकता होती है।

इसका प्रमुख सिद्धांत यह है 'जैसा कार्य, वैसा अभ्यास (Practice the way You Perform)'। K9 टीम वास्तविक परिस्थितियों में भी सफल हो इसके लिए उसे तैयार करने के लिए प्रशिक्षण में वास्तविक परिस्थितियों के माहौल को सृजित करने के सभी प्रयास किए जाने चाहिए।

प्रश्न 4. K9s के प्रजनन के लिए पहले से ही क्षेत्र में तैनात प्रशिक्षित K9s की बुद्धि, स्वभाव, प्रशिक्षण योग्यता, प्रदर्शन और उनके आनुवंशिक, जैविक और शारीरिक गुणों का पता लगाने के बाद उनके चयन की अवधारणा के बारे में आपके विचार।

(श्वान ब्रीडिंग एंड ट्रेनिंग स्कूल, सीआरपीएफ)

Editor - आने वाले समय में कार्यरत/पुलिस श्वान के विशिष्ट प्रजनन कार्यक्रम काफी अधिक होंगे। इसका कारण, उपयुक्तता और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को नियंत्रित करना है, ताकि सफल पुलिस श्वान की उच्च दर सुनिश्चित की जा सके। यदि संगठनात्मक बाध्यताओं के कारण, श्वानों को फील्ड ऑपरेशन से वापस लेने की अवधारणा को जारी रखने जरूरी न हो तो यह कोई अच्छा विचार नहीं है। एक परिपक्व पीएसके (PSK) प्रजनन कार्यक्रम में, इस तरह का कोई मुद्दा नहीं उठना चाहिए क्योंकि इन पहलुओं को देखते हुए एक मजबूत प्रजनन कार्यक्रम को डिज़ाइन किया जाएगा। ऐसे प्रजनन कार्यक्रम का प्रयास उच्च गुणवत्ता वाले पीएसके पैदा करना है और पैदा हुए सभी पिल्लों का मूल्यांकन तब किया जाएगा जब वे युवा वयस्क हों और पीएसके के प्रशिक्षण के विशिष्ट चरण में प्रवेश करने के लिए एक स्थापित मॉडल के अनुसार अनुमानित वैधता के लिए तैयार हों। प्रजनन कार्यक्रम के लिए निश्चित रूप से कुछ सर्वोत्तम अनुकूल, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले नर एवं मादा श्वान को संभावित प्रजनन प्रतिस्थापन के रूप में चुनेंगे, लेकिन उन्हें उनकी नियमित परिचालन ड्यूटी से वापस लेने की कोई आवश्यकता नहीं है। बजट या नीतिगत बाधाओं के होने पर ही कोई संगठन ऐसा करने के लिए विवश हो सकता है।

मादा श्वान को प्रायः संचालन ड्यूटी के लिए फील्ड में तैनात करने से पहले बधिया (spaying) किया जाना चाहिए, जबकि नर श्वान को यथास्थिति रखा जा सकता है। बधिया बनाने से उन्हें pre-estrus and estrus अवधियों से बचने में मदद मिलती है जब वे अन्य प्रशिक्षित श्वान को बहुत अधिक विचलित कर सकते हैं। इसके अलावा, लापरवाही के कारण आकस्मिक गर्भधारण की कोई संभावना नहीं रहती है। यद्यपि यदि आवश्यक

हो, बकाया नर श्वानों को प्रजनन संवर्धन सेवा के उद्देश्य से वापस लिया जा सकता है, लेकिन इन श्वानों को परिचालन सफलता पर पूरी तरह से आंका नहीं जाना चाहिए। संचालन कार्य में सफलता एक टीम वर्क है जहां पीएसके हैंडलर और संगठन द्वारा पेश किए गए परिचालन अवसर भी समान भूमिका निभाते हैं। इसलिए, किसी संगठन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस संबंध में पेशेवर निर्णय की सिफारिश किया जाना अच्छा है।

प्रश्न 5. लगभग साढ़े पांच साल का पूरी तरह से प्रशिक्षित बेल्जियन मल्लिनोइस पीएसके, वर्तमान में सक्रिय ड्यूटी पर तैनाती के दौरान सुपर एक्साइटेड हो जाता है, और लगातार भौंकते रहता है जिससे हस्तक्षेप करने वाली टीम के औचक पहुंचने और स्थान का पता चल जाता है। उस पर ई-कॉलर सहित विभिन्न सुधारात्मक तरीकों को समय-समय पर आज़माया गया है लेकिन सुधार के बहुत कम संकेत देखे गए हैं। कृपया इस समस्या को दूर करने के लिए सुधारात्मक उपाय सुझाएं।

(मेजर कपिल नेहरा, एनएसजी K9)

Editor - श्वान के शुरुआती जीवन में या प्रशिक्षण के शुरुआती चरणों में की गई त्रुटि कभी-कभी एक आजीवन चुनौती पेश करती है क्योंकि एक बार जब श्वान ने एक आदत बना ली है, जो ठोस पारम्परिक कंडीशनिंग के साथ एक स्थायी आदत है, इसे हल करना एक कठिन समस्या हो जाती है। हालांकि कुछ विकल्प उपलब्ध हैं, लेकिन हैंडलर को लगातार इस तरह की समस्या को दूर करने के लिए काम करना चाहिए, श्वान में सुधार करने के लिए जो तरीका चुना जाता है अगर उसमें किसी भी तरह का फेरबदल होता है तो यह एक तरह से सुधार रीसेट बटन दबाने की तरह होगा और श्वान जल्दी से पुरानी आदत पर वापस आ जाएगा।

यहां प्रस्तुत श्वान के साथ भी वही समस्या है जिसका ऊपर वर्णन किया गया है। इसके लिए निरंतर सुधार करने की आवश्यकता होती है, प्रारंभ में हल्के रूप में उसे शांत करने के लिए शारीरिक संपर्क बनाएं और बाद में उसे डाउन स्थिति में लाने के लिए जोर दें। बार-बार प्रयास करने पर जब श्वान यह समझने लगता है कि उसे क्या करने को कहा गया है, तो हम पुरानी आदत को समाप्त करने के लिए बुद्धिमानी के साथ ई-कॉलर का उपयोग कर सकते हैं। यहां यह सावधानी रखनी होगी कि एक नियोजित गतिविधि के रूप में इस तरह के सुधारों को बार-बार करने मेंएक बार भी विफल नहीं होना चाहिए। सुधार की एक लंबी अवधि में, श्वान पूरी तरह से समझ जाएगा कि उससे क्या उम्मीद की जा रही है और पुरानी आदत के वापस लौटने की संभावनाएं काफी कम हो जाएगी।

प्रश्न 6. कृपया विभिन्न परिदृश्यों और वस्तुओं में विस्फोटक से संदूषित होने से बचने के लिए सभी आवश्यक सावधानी बरतने के बावजूद प्रशिक्षण सत्रों के दौरान पूरी तरह से जुड़े ईडी K9 टीम में बहुत अधिक झूठे अलर्ट को सुधारने के लिए उपचारात्मक उपाय सुझाएं।

(मेजर के रोमी सिंह, एनएसजी K9)

Editor - EDDTs के तैनाती में सबसे बड़ी चुनौती "गलत अलर्ट 'या' गैर-उत्पादक अलर्ट 'हैं। EDDT द्वारा एक गलत चेतावनी के परिणाम विशेष रूप से हवाई अड्डों, बड़े सार्वजनिक स्थानों, या अन्य बड़े व्यावसायिक परिसरों पर काम करते समय काफी गंभीर मुद्दा हो सकते हैं। इन सुविधाओं को बंद करने से बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है और सामान्य जीवन को बाधित कर सकता है। इस समस्या से जुड़े संभावित नुकसान और इसके संबंध में गलत व्याख्या को ध्यान में रखते हुए अपने के-९ के साथ काम करना सबसे महत्वपूर्ण विषय है। इसे आपके K9 साथी के उचित प्रशिक्षण और समझ से हल किया जा सकता है। झूठे अलर्ट पर काबू पाने का एक ही उपाय है कि आपने अपने K9 को प्रशिक्षित करने के दौरान जिन संकेतों को बताया था उनको दोबारा प्रशिक्षत कर उसकी नींव को मजबूत करना होगा। आपको अपने श्वान के साथ काम करने और कुशलता से उसे पढ़ने में सक्षम होना चाहिए क्योंकि आप ही हैं जो अंतिम निर्णय लेना है, इसलिए आपको अपने श्वान को पूरी तरह से समझना चाहिए।

लक्ष्य गंध का क्रॉस-संदूषण। यह इस विषय का केवल एक आयाम है। इस समस्या को दूर करने के लिए अन्य मुद्दों पर भी समान रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है। विस्फोटक प्रशिक्षण सहायक वस्तुओं में ऐसा संदूषण तब दिखाई देता है जब उनका भंडारण किसी गैर-लक्ष्य

गंध की वस्तु के साथ होता है। श्वान ऐसे गैर-लक्ष्य के गंध पर संकेत करना सीखना शुरू होता है जो प्राकृतिक वातावरण में हमेशा उपलब्ध होते हैं। इसी तरह, अनुसंधान से पता चलता है कि इस तरह के गैर-लक्ष्य प्रशिक्षण सामग्री की अवशिष्ट गंध प्रशिक्षण गंधों के साथ काफी लंबे समय तक बनी रहती है और श्वान के लिए इसका पता लगाना तुलनात्मक रूप से आसान होता है और इसलिए वे झूठे अलर्ट देते हैं।

इसके अलावा, श्वानके झूठे अलर्ट देने के कई अन्य कारण हो सकते हैं। उनमें से कुछ का संक्षिप्त विवरण यहां दिया गया है:

श्वान हैंडलर का प्रभाव- शायद, झूठे संकेत के लिए सबसे प्रचलित कारण श्वान की पढ़ने की प्रवृत्ति और उसके लक्षित गंध पर ध्यान केंद्रित न करना है जो ईडीडीटी के मामले में विस्फोटक है, बल्कि हैंडलर के अनजाने संकेतों पर प्रतिक्रिया देना है। अनजाने में, हैंडलर अपने श्वानके साथ मौखिक और गैर-मौखिक दोनों इशारों के माध्यम से संचार करता है। जबकि हैंडलर अपने व्यवहार से अनजान है, K९ साथी को अपने सूक्ष्म संकेतों को पढ़ने की जल्दी होती है, जबकि श्वान' सक्रिय रूप से लक्ष्य गंधपर काम कर रहा होता है'। यह तथ्य ध्यान में रखें कि श्वानहमें पढ़ने में बहुत अधिक होशियार होते हैं और इसलिए वे जल्दी से हमारे संवाद में थोड़ा सा बदलाव होने पर भी उसे सीख लेते हैं जो कि सकारात्मक परिवर्तन से पहले की स्थिति होती है।

टाइम पैटर्न पर कंडीशनिंग- अक्सर, श्वानप्रशिक्षक लगातार अवधि में अपने ईडी श्वानके साथ छोटे और त्वरित प्रशिक्षण का कार्यकरते हैं। वास्तव में, ये अवधि प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र के दौरान 15-20 मिनट की तलाशीहोती है। इन सत्रों के दौरान 3-4 विस्फोटक प्रशिक्षण सामग्री छिपाई गई होती हैं जिसे ईडी के9 को पता लगाना होता है। समय के साथ, इन छोटे प्रशिक्षण सत्रों में श्वान को उन सामानों में से बार-बार सकारात्मक सामग्री खोजने की आदत हो जाती है और वह एक समय पैटर्न प्रतिक्रिया विकसित कर लेता है जो वास्तव में झूठे अलर्ट ही होते हैं।

फ्रिंज अलर्ट- इन्हें एक प्रकार की झूठी चेतावनी भी माना जाता है क्योंकि श्वान लक्ष्य के स्रोत से बहुत दूर संकेत करना सीखता है। इससे स्रोत के स्थान के बारे में भ्रम पैदा होता है। श्वान में रिओटैक्सिस (rheotaxis) का अनुसरण करने की स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है, जिसका अर्थ है कि लक्ष्य गंध को तुरंत खोजना, श्वान कम सघनता से शुरू करते हुए उच्च सघनता के स्रोत की ओर बढ़ता है। फ्रिंजिंग में, जैसे ही श्वान विस्फोटक प्लम में प्रवेश करता है, वह गलत चेतावनी देना शुरू कर देता है और इस तरह वह अपने स्वाभाविक रिओटैक्सिस या गंध की मात्रा को नजरअंदाज कर देता है।

सामान्य गंध चिन्ह- ज्यादातर विस्फोटक सामग्री सक्रिय विस्फोटक रासायनिक यौगिक और एक निष्क्रिय सामग्री से मिलकर बनता है। उदाहरण के लिए, PEK में 85% CE / Tetryl शामिल होता है जो एक सक्रिय विस्फोटक यौगिक है और 15% प्लास्टिसाइज़र है जो पेट्रोलियम आधारित स्थिरीकरण सामग्री है। पेट्रोलियम या ईंधन आधारित सामग्री में ऐसी सामग्री होती है जो RDX या PEK में मिश्रित प्लास्टिसाइज़र के साथ सामान्य हैं और इसलिए श्वान अनजाने में वातावरण में होने वाले ऐसे गैर-विस्फोटक पदार्थों पर सकारात्मक संकेत दे सकते हैं। इसका मतलब यह है कि प्राकृतिक सेटिंग्स में श्वान संयोग से सहज पदार्थ के संपर्क में आ सकते हैं जो विस्फोटक मिश्रण के लिए सामान्य होते हैं और सकारात्मक चेतावनी देने वाले होते हैं।

लक्षित पदार्थों से जुड़ी गंध- श्वान कभी-कभी ऐसी लक्ष्य सामग्री पर चेतावनी (अलर्ट) देना सीखते हैं जो विस्फोटक प्रशिक्षण सहायक वस्तुओं की हैंडलिंग के लिए लगातार उपयोग में लाए जाने वाले कंटेनर, दस्ताने आदि जैसे गैर-लक्ष्य पदार्थों या श्वान हैंडलर की गंध के संपर्क में रहते हैं। पूरी लक्ष्य सामग्री पर गैर-लक्ष्य गंध संकेत इतने अधिक छा जाते हैं कि पूरी गंध मिलकर एक हो जाती है और फिर लगातार इसके संपर्क में आने पर सुदृढ़ होती जाती है।

झूठी चेतावनी प्रतिक्रिया पर काबू पाने के उपाय- इस तरह के मुद्दे पर काबू पाने के लिए हमें वापस नींव पर जाना होगा और ईडी श्वान को वापिस प्रशिक्षित प्रतिक्रिया में लाना होगा। संबंधित गंधों, सामान्य गंध संकेत या नॉवल सैंट पर झूठी चेतावनी से संबंधित समस्याओं को काफी हद तक अभिनव रूप से डिज़ाइन की गई प्रशिक्षण सामग्री का उपयोग करके हल किया जा सकता है। इनमें बड़ी संख्या में लकड़ी के प्रशिक्षण बक्से का उपयोग किया जाता है, जिसमें उनके शुद्ध रूप

में अलग-अलग लक्ष्य गंध होते हैं और शेष सभी बक्सों में पर्यावरण में पाई जाने वाली सभी संभव गैर-लक्ष्य गंध अलग-अलग रूप में अपने शुद्धतम संभव रूप में होते हैं। कुछ बक्सों में डिस्ट्रेक्टर सैंट और मास्किंग एजेंट भी होने चाहिए, हालांकि प्लूम के मिश्रण से बचने के लिए इसे अलग से रखा गया हो। जब शुद्ध लक्ष्य गंध पर ही सुदृढ़ किया जाएगा तो श्वान उसे शीघ्र ही सही ढंग से इंगित करना सीखेगा। इस उद्देश्य को कई अन्य प्रशिक्षण सहायक सामग्री द्वारा भी प्राप्त किया जा सकता है, जैसे लक्ष्य और गैर-लक्ष्य गंध के विभिन्न प्रकारों को बढ़ाने के लिए अलग पोर्टल बनाना।

प्रश्न 7. कोविड-19 का पता लगाने के लिए K9s के प्रशिक्षण के लिए किस प्रशिक्षण पद्धति और बायोमार्कर का उपयोग किया जा सकता है। जब इस नई अवधारणा पर बहुत कम या कोई साहित्य उपलब्ध नहीं है, ऐसे में K9s के प्रशिक्षण और प्रभाव के दौरान जोखिम और उपायों को भी समझाया जाए|

(मेजर पीएस क्षत्रिय, एनएसजी K9)

Editor - वर्तमान में COVID-19 महामारी फैल रही है। ऐसे में संक्रमण के फैलने की दर को प्रभावी रूप से कम करने के लिए लक्षणयुक्त और बिना लक्षण वाले रोग-वाहकों की सटीक पहचान जरूरी है। इसके लिए तेज और विश्वसनीय परीक्षण का महत्व अधिक बढ़ गया है। वर्तमान परीक्षण मेंआमतौर पर नियमानुसार नैसोफारिन्जिल स्वैब की जरुरत होती जिसे एक प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा किया जाता है और रोगज़नक़ पहचान के लिए एक Reverse Transcriptase - Polymerase Chain Reaction Test (आरटी-पीसीआर) किया जाता है। RT-PCR से परिणाम प्राप्त होने में समय लगता है और विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए इस पर बहुत अधिक लागत आ सकती है, और इसलिए वर्तमान में प्रचलित मान्यता के अनुसार मुख्य रूप से COVID-19 के विशिष्ट लक्षणों वाले रोगियों के परीक्षण में हीइसका उपयोग किया जाता है,। इसलिए विशेषतौर पर लक्षणयुक्त और पूर्व-लक्षण वाले व्यक्तियों की पहचान करने के लिए हमें और अधिक तेज, विश्वसनीय, शरीर के बाहर से और बहुमुखी स्क्रीनिंग टूल की आवश्यकता है ।

कई अध्ययनों ने विभिन्न प्रकार के कैंसर, मलेरिया, बैक्टीरियल और वायरल संक्रमण जैसे संक्रामक और गैर-संक्रामक रोगों वाले व्यक्तियों का पता लगाने के लिए K9 की आमतौर पर उच्च दर की संवेदनशीलता और विशिष्टता के साथ असाधारण घ्राण क्षमता को साबित किया है। एक पैथोजेन-विशिष्ट गंध जिसका श्वान द्वारा पता लगाया जा सकता है, को वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (वीओसी) के विशिष्ट पैटर्न से बनाया जा सकता है। बैक्टीरिया की तुलना में, वायरस का अपना कोई चयापचय नहीं है, और इसलिए चयापचय मेजबान प्रक्रियाओं के परिणामस्वरूपवीओसी को संक्रमित शरीर की कोशिकाओं द्वारा जारी किया जाता है।विभिन्न तकनीकी दृष्टिकोणों ने संक्रामक रोगों को सफलतापूर्वक दूर करने के लिए वीओसी की खोज का उपयोग किया है, लेकिन नैदानिक रूप से किसी का भी नियमित उपयोग नहीं किया जा रहा है। चूंकि श्वान को जल्दी से प्रशिक्षित किया जा सकता है, अनेक देशों में श्वान प्रशिक्षकों द्वारा वैज्ञानिकों के साथ मिलकर अध्ययन करके SARS-CoV-2 संक्रमित रोगियों और गैर-संक्रमित व्यक्तियों के नमूनों के बीच भेद करने के लिए श्वान के उपयोग की अवधारणा का परीक्षण किया गया। इस विधि को हवाई अड्डों, खेल आयोजनों, सीमाओं या सार्वजनिक स्थानों पर अन्य जन-समूह या प्रयोगशाला जांच के विकल्प के रूप में अन्य बड़े पैमाने पर सार्वजनिक क्षेत्रों में नियोजित किया जा सकता है, इस प्रकार वायरस के आगे फैलने या आगे के प्रकोप को रोकने में मदद मिल सकती है।

जर्मनी में किए गए एक प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट अध्ययन में, अस्पताल में भर्ती COVID-19 रोगियों से लार के नमूने और ट्रेकोब्रानचियल स्राव के नमूने एकत्र किए गए थे, जिनमें नैदानिक लक्षण दिखाए गए थे और जिन्हें नैसोफरीन्जियल स्वैब नमूनों का उपयोग करते हुए SARS CoV-2 पॉजिटिव बताया गया था। SARS CoV-2 आरटी-पीसीआर निगेटिव लोगों से निगेटिव नियंत्रण नमूने लिए गए थे, जिनमें किसी को भी पहले COVID-19 नहीं था, और न ही किसी व्यक्ति को पहले सर्दी या संक्रमण की कोई बीमारी थी। किसी भी बीटा कोरोना वायरस HCoV-OC43 या अल्फा कोरोना वायरस HCoV229E जैसे विभिन्न मानव कोरोना वायरस के लिए नमूनों की जांच नहीं की गई। सैम्पल

लेने के बाद, अज्ञात नमूनों को प्रशिक्षित श्वानों द्वारा पता लगाने के लिए दिया गया था इस अध्ययन में, 94% की औसत पहचान दर दर्ज की गई थी। उनके अध्ययन में सटीकता और शुद्धता के लिए किए गए विश्लेषण में सभी श्वान के लिए 86.63% की निदानशीलता और 96.35% की एक उच्च निदान विशिष्टता का पता चला। सभी श्वानों में एक छोटी विचलन सीमा के साथ विविधता में एक उच्च नैदानिक विशिष्टता थी, जो झूठे पॉजिटिव परिणामों से बचने के लिए जनसंख्या स्क्रीनिंग के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है।

फ्रांस में एक अन्य सबूत-अवधारणा अध्ययन में, अब तक विभिन्न वैज्ञानिक समूहों द्वारा किए गए अध्ययन ऐसी प्रारंभिक धारणा पर आधारित थे कि श्वानों में गंध सूंघने की बहुत ही उन्नत प्रवृत्ति होती है इसलिए उन्हें SARS-CoV-2 वायरस सेलुलर क्रियाओं या पसीने में प्रतिकृति द्वारा प्रेरित विशिष्ट catabolites के उत्सर्जन के संबंध में COVID-19 पॉजिटिव लोगों और निगेटिव लोगों के बीचअंतर करने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। यद्यपि प्रशिक्षित खोजी श्वानों के लिए पहला और मुख्य बुनियादी प्रश्न इस परिकल्पना का परीक्षण करना था कि "क्या एक COVID-19 पॉजिटिव रोगी के पसीने में एक कॉविड-19 निगेटिव व्यक्ति के पसीने से अलग विशिष्ट गंध होती है"। हालांकि पसीने का नमूना इसे आसान और तेज़ बनाता है लेकिन अध्ययन के लिए अन्य जैव-मार्करों में लार का नमूना इस्तेमाल किया गया था।

हाल के एक अध्ययन ने पुष्टि की कि मानव पसीना अलग-अलग होता है जो मनुष्य की शारीरिक संरचना पर निर्भर करता है, और कांख का वह पसीना जैविक यौगिकों के रुप में सबसे अधिक उपयुक्त दिखाई देता है, जो शरीर के बराबर तापमान के समान परिवेशी तापमान में अस्थिर हो जाता है। इससे आंशिक रूप से यह पता चलता है कि खोजी श्वानों के अधिकांश अध्ययनों में कांख के पसीने से नमूने चुने गए थे।

कोविड का पता लगाने के लिए ड्रग डिटेक्शन श्वान का उपयोग बिलकुल नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इसमें हमेशा एक संभावना होती है कि कोविड-19 सकारात्मक या नकारात्मक लोग निषिद्ध पदार्थों का उपयोग करते हैं जो कि catabolites को कांख के पसीने से उत्सर्जित होने देंगे। एक ही समय में विस्फोटक खोजी श्वान, खोज और बचाव श्वानों या कुछ अन्य प्रकार के मेडिकल डिटेक्शन श्वानों को विश्वसनीय प्रदर्शन के लिए कोविड-19 रोगी के पसीने की गंध पर नए सिरे से प्रशिक्षित या अंकित किया जा सकता है।

संक्षेप में, खोजी श्वानों SARS COV-2 संक्रमित व्यक्तियों और स्वस्थ व्यक्तियों के श्वसन स्राव या पसीने मेंपूरी संवेदनशीलता और विशिष्टता की उच्च दरों के साथभेद करने में सक्षम होते हैं। सीमित संख्या में रोगियों पर किए गए पायलट अध्ययनों की कुछ सीमाएँ थीं जिन्हें निश्चित रूप से भविष्य के अध्ययनों में श्वानों प्रशिक्षकों के नेतृत्व में वैज्ञानिक समूहों द्वारा स्पष्ट किए जाने की आवश्यकता है। SARS-CoV-2 का पता लगाने वाले श्वानों फिर एक नियमित आरटी-पीसीआर स्क्रीनिंग के विकल्प के रूप में सार्वजनिक सुविधाओं और कार्यों जैसी विभिन्न सेटिंग्स में एक प्रभावी और विश्वसनीय संक्रमण का पता लगाने वाली तकनीक प्रदान कर सकते हैं। नैदानिक परीक्षणों तक सीमित पहुंच वाले देशों में, खोजी श्वानों को तब संक्रमित लोगों के सामूहिक पता लगाने के लिए इस्तेमाल करने की क्षमता हो सकती है। SARS CoV-2 जैसे वायरल श्वसन संबंधी रोग वाले रोगियों की पहचान के लिए खोजी श्वानों का उपयोग करने की क्षमता और सीमा को बेहतर ढंग से समझने के लिए आगे काम जारी है।

प्रश्न 8. बारूद खोजी श्वान (EDD) के मामले में क्या हमें शुरुआती छाप छोड़ने के लिए अलग-अलग गंधों को मिलाना चाहिए या हमें अलग-अलग गंधों की छाप के लिए कोशिश करनी चाहिए? क्या बेहतर होगा और अगर हम प्रारंभिक चरण में कई गंधों का उपयोग करते हैं, तो हम किस चरण में एक व्यक्तिगत गंध पर जा सकते हैं?

(नंबर 050360686 एचसी / जीडी (डीएच) देशराज सिंह गुर्जर, एसएसबी द्वारा)

Editor - वर्ष 1981 के दौरान, स्टूकेनब्रोक, जर्मनी के PHK फेलिक्स फिशर ने K-9 हैंडलर्स के लिए स्टेट पुलिस स्कूल के एक प्रशिक्षक ने पाया कि एक उच्च-प्रवृत्ति वाला श्वान एक साथ चार नए गंधों को याद रखने में सक्षम होता है। यह उस समय पुलिस की

श्वान ट्रेनिंग दुनिया में एक बड़ी खोज थी। तब से, दुनिया भर में हज़ारों पुलिस श्वानों को सफलतापूर्वक इस विधि से प्रशिक्षित किया गया। यह प्रशिक्षित करने के लिए एक शानदार कुशल तरीका है जिसमें, गंधों को बहुत तेज़ी से याद कराया जाता है।

एक बार शुरुआती चार गंधों को सफलतापूर्वक याद कर लिए जाने के बाद, उन्हें अलग-अलग गंध के रुपमें तोड़ दिया जाता हैं और एक नया समूह शुरू किया जा सकता है। अधिक सफलता सुनिश्चित करने के लिए विस्फोटक के प्रत्येक विशिष्ट वर्ग के भीतर केवल 4-इन-1 गंध को मिश्रित किया जाना चाहिए। इसलिए, विस्फोटकों के विशिष्ट रासायनिक गुणों के कारण, किसी को भी विस्फोटक के प्रत्येक वर्ग पर विशिष्ट प्रशिक्षण के बिना और चार में एक प्रशिक्षण आयोजित करने की प्रक्रियाओं के बिना यह प्रयास नहीं करना चाहिए।

मैंने व्यक्तिगत रूप से कई श्वानों के साथ काम किया है जिन्हें 4-इन-1 विधि से प्रशिक्षित किया गया है। वे उन गंधों का पता लगाने में अच्छी तरह से प्रशिक्षित और कुशल थे, जिन्हें खोजने के लिए उन्हें प्रशिक्षित किया गया था। हालांकि, महत्वपूर्ण पहलू यह है कि हम इन गंधों को अलग-अलग गंधों में कब विभाजित करते हैं? इस प्रश्न का उत्तर यह है कि श्वानों के प्रशिक्षण में किसी अन्य प्रगति के साथ, ऐसा निर्णय विशेष प्रशिक्षण के दौरान श्वान के प्रदर्शन पर आधारित है। एक बार जब श्वान 4-इन-1 गंधों के स्रोत का स्वतंत्र रूप से पता लगाने और खोजने की क्षमता का प्रदर्शन करना शुरू कर देता है, तो हमें गंधों को अलग-अलग गंध में बांटना शुरू कर देना चाहिए और प्रत्येक व्यक्तिगत गंध के लिएश्वान की प्रतिक्रिया को लगातार मजबूत करना चाहिए।

यदि हम किसी कारण से गंधों को अलग करने में विफल रहते है तो कुछ संभावित समस्याएं हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, यदि समूह की चार में से एक गंध में वाष्प का दबाव बहुत अधिक है या सरल शब्दों में, दूसरों की तुलना में बहुत अधिक है, तो श्वान इस गंध को शीघ्रता से समझना शुरू कर सकता है क्योंकि खोजने के लिए यह प्रमुख गंध है। श्वान सभी चार संयुक्त गंधों को एक गंध संकेत के रूप में पहचानना शुरू कर सकता है और सभी चार पदार्थों के मौजूद होने पर ही विश्वसनीयता से गंध का पता लगा सकता है। जब सभी गंधों को अलग-अलग गंध में बांट दिया जाता है, तो ये संभावित समस्याएं नहीं होंगी।

इस 4-इन -1 तकनीक में कई गंधों के साथ EDD को खोजने की गंध को पहचाने की प्रक्रिया को गति देने की क्षमता है। क्योंकि विस्फोटक पदार्थ एक संभावित खतरा पेश करते हैं, इसलिए, जब हम इस तरह के पदार्थों को एक साथ मिलाते हैं तो अत्यंत सावधानी बरतनी चाहिए। यह केवल K9 ट्रेनर द्वारा किया जाना चाहिए जिसे विस्फोटक सामग्री का पर्याप्त ज्ञान हो।

प्रश्न 9. ट्रैकिंग में हंट ड्राइव और ट्रैक से अधिक हवा में व्याप्त गंध का उपयोग करने वाले श्वानों की भूमिका कितनी है? इसमें कैसे संतुलन करें कि यह अधिक से अधिक सफल हो सके?

(नं. 997040595 एचसी / जीडी (डीएच)
कृष्ण चंद्र सेनापति, आईटीबीपी)

Editor - आपने एक संदिग्ध मानव की तलाश के संबंध में हंट ड्राइव का उल्लेख किया है। हवा में व्याप्त गंध को सूंघना (एयर-सैंटिंग) बनाम ट्रैकिंग ये वास्तव में ऐसी कोई चीज नहीं है जिसे मैं विशेष रूप से श्वानों के प्रशिक्षण का मूल्यांकन के दौरान देखूंगा। व्यक्तिगत रूप से, तब तक कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए, जब तक कि वह श्वान संदिग्ध व्यक्ति को खोजने में सफल न हो जाए इसके लिए चाहे वह ट्रैक को या वायु-गंध को प्राथमिकता दे और जब वह शुरू में तैनात होगा तब वह वही करेगा जो हमने उसे करने के लिए सिखाया है। यदि श्वान ट्रैकिंग कर रहा है, और अचानक एक रिहायशी क्षेत्र में आता है, तो उससे केवल ट्रैकिंग जारी रखने की उम्मीद करना मुर्खतापूर्ण है, एक अच्छी तरह से प्रशिक्षित श्वान निश्चित रूप से एयरसेंटिंग के आधार पर क्षेत्र खोज में अपनी गति को बदल देगा। इन श्वानों के प्रशिक्षण में मेरी लंबी सेवा में यदि औपचारिक मूल्यांकन को छोड़ दें तो मैंने कई वास्तविक खोजों को देखा है जो ट्रैकिंग और क्षेत्र खोजों का एक मिला-जुला रूप साबित हुई हैं। श्वानों के साथ, हमें अंतिम उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए क्योंकि कभी-कभी वे लक्ष्य गंध तक पहुंचने के लिए अपने मिश्रित विवेक का उपयोग करते हैं। मेरी राय में, ट्रैकिंग में एक अच्छी तरह से प्रशिक्षित K9 यदि ट्रैकिंग के दौरान हवा में तीव्र गंध का सामना करता है तो वह क्षेत्र खोज में आ

जाएगा, और यह एक ऐसी चीज है जिसके लिए K9 टीम को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

इसके अलावा, हमें श्वान के मूल्यांकन प्रक्रिया के एक भाग के रूप में K9 के ईनामी खिलौने के लिए शिकार करने के उत्साह के बारे में ध्यान देना चाहिए, जो कुछ-कुछ एक खोजी श्वान के समान है, इसलिए उस अर्थ में, यह वास्तव में अलग नहीं है जब 'खिलौना' बाद में एक डिकॉय के रुप में पेश किया जाता है। किसी भी तरह से, ट्रैकिंग श्वान को यह दिखाना होगा कि वह अपनी ड्राइव को संतुष्ट करने के लिए किस हद तक जा सकता है, चाहे वह खेलना हो या लड़ाई में संलग्न होना हो।

मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान एक बहुत ही बुनियादी ट्रैक को शामिल करना अच्छा समझा जाता है, बस यह देखने के लिए कि क्या श्वान अपनी नाक जमीन पर रखता है। यह कुछ ऐसा है जिसे प्रशिक्षण के दौरान श्वानों की प्राकृतिक प्रवृत्ति विनिर्माण करके बढ़ाया जा सकता है। ट्रैकिंग श्वानों की लैब्राडोर नस्ल के साथ मेरे अनुभव रहे हैं कि अधिकांश श्वान जमीन पर गंध का पीछा करेंगे, लेकिन इसके विपरीत जर्मन शेफर्ड या बेल्जियम शेफर्ड मलिनोइस नस्ल के श्वान संदिग्ध का जमीनी गंध से पता लगाने के बजाय उसे ट्रैक करने के लिए हवा-गंध का चयन करेंगे। मेरे अनुभव में यह आया है कि अधिकांश श्वानों को यह पता लगाने में बहुत कम समय लगता है कि क्षेत्र की खोज कैसे करें। यह सरल है, यह मजेदार है, और इसे तेज समझ लिया जाता है; बहुत अच्छी तरह से चयनित ट्रैकिंग या पैट्रोल K9 को इसे करने में मजा आएगा और इसलिए यह अधिक बार इसमें सफल होगा।

श्वान का चयन करते समय हमेशा ध्यान में रखें कुछ भी आसाना या आश्वस्त नहीं है। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि सर्वश्रेष्ठ श्वान का चयन करने के बावजूद, आप मैदान पर एक अलग प्रदर्शन पाते हैं। ऐसे मामलों में हमें बिना किसी देरी के किसी भी पाठ्यक्रम में सुधार करने से डरना नहीं चाहिए। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने श्वानों के साथ कितने समय तक काम किया है या आप चयन के बारे में कितना जानते हैं -- कभी-कभी चीजें काम नहीं करती हैं और हम अपने अहं को संतुष्ट नहीं कर सकते हैं कि पीएसके टीम, पुलिस इकाई, या संगठन के लिए जो सबसे अच्छा है क्या है।

प्रश्न 10. कभी-कभी किसी K9 को खोज आदि के लिए तैनाती के दौरान जमीन पर चेन से बांध दिया जाता है, इससे यह अचानक काम छोड़ देता है और खेलना शुरू कर देता है। इस व्यवहार को नियंत्रित करने का सबसे अच्छा समाधान क्या हो सकता है?

(निरीक्षक/जीडी (डीएच) गजेंद्र लाल, आईटीबीपी)

Editor - यदि आपके श्वान में खेलने की क्षमता है, तो इसका मतलब है कि इसमें अभी भी कार्यक्षमता है। इसके सामान्य व्यवहार को मारे बिना, इसे बहुत सारा प्यार देने में आपने एक उत्कृष्ट काम किया है। नहीं, आपको इस व्यवहार को "नियंत्रित" करने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए इसे "चैनलबद्ध" करने की आवश्यकता है। आप इसे धीरे से याद दिलाकर श्वान को खेलने से रोक सकते हैं और सौंपे गए कार्य पर वापस ला सकते हैं। एक छोटी सी सफलता के लिए प्रतीक्षा करें। तुरंत श्वान को एक गेंद दें और खेलें। इसे कई बार दोहराएं। सफलता - गेंद - खेल। इस तरह से श्वान में सकारात्मक सुदृढीकरण होगा, जब वह समझेगा कि "काम की सफलता" के बाद" खेल का इनाम" है। यह मुश्किल नहीं है। एक चंचल श्वान को एक डरे हुए श्वान की तुलना में प्रशिक्षित करना बहुत आसान है। इसलिए यह केवल श्वान की ऊर्जा का एक आसान सा चैनलाइजेशन है।

कहा जाता है कि, श्वान में हैंडलर की रुचि की कमी के कारण कई बार ऐसा होता है। हैंडलर को अपने कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि वह खेल, बेहतरीन समय, और इनाम के शक्तिशाली स्रोत के लिए अपने श्वान का सबसे मूल्यवान साथी बना रहे। इस तरह के व्यवहार के लिए और अधिक संभावनाएं हैं जब श्वान को इनाम मिलता है और अपने हैंडलर्स के साथ बिना किसी सहयोग के खेलता हैं। इसलिए, ऐसी परिस्थितियों में सफलता की कुंजी हैंडलर-श्वान एसोसिएशन/टीम-वर्क है। श्वान को अपने हैंडलर के साथ काम करने के लिए उत्साहित और तैयार होना चाहिए क्योंकि इस बंधन की ताकत आगे के प्रशिक्षण निर्माण के लिए मूलभूत आवश्यकता है जो हमें बिना किसी व्याकुलता के सफलता की ओर ले जाती है। इस तरह की परिस्थितियों से बचने के लिए वातावरण के प्रति तठस्थता एक महत्वपूर्ण पहलू है।